

ईश्वरीय  
खजाना  
टीम  
*Presents*

# विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की  
भिन्न भिन्न युक्तियाँ  
बाबा की रोज  
जैसे मीठी थपकी है  
अन्तर्मन में  
जो समा ले इसे  
जीवन में उसकी सफलता  
शत प्रतिशत पक्की है...





# सर्व को सम्मान देना

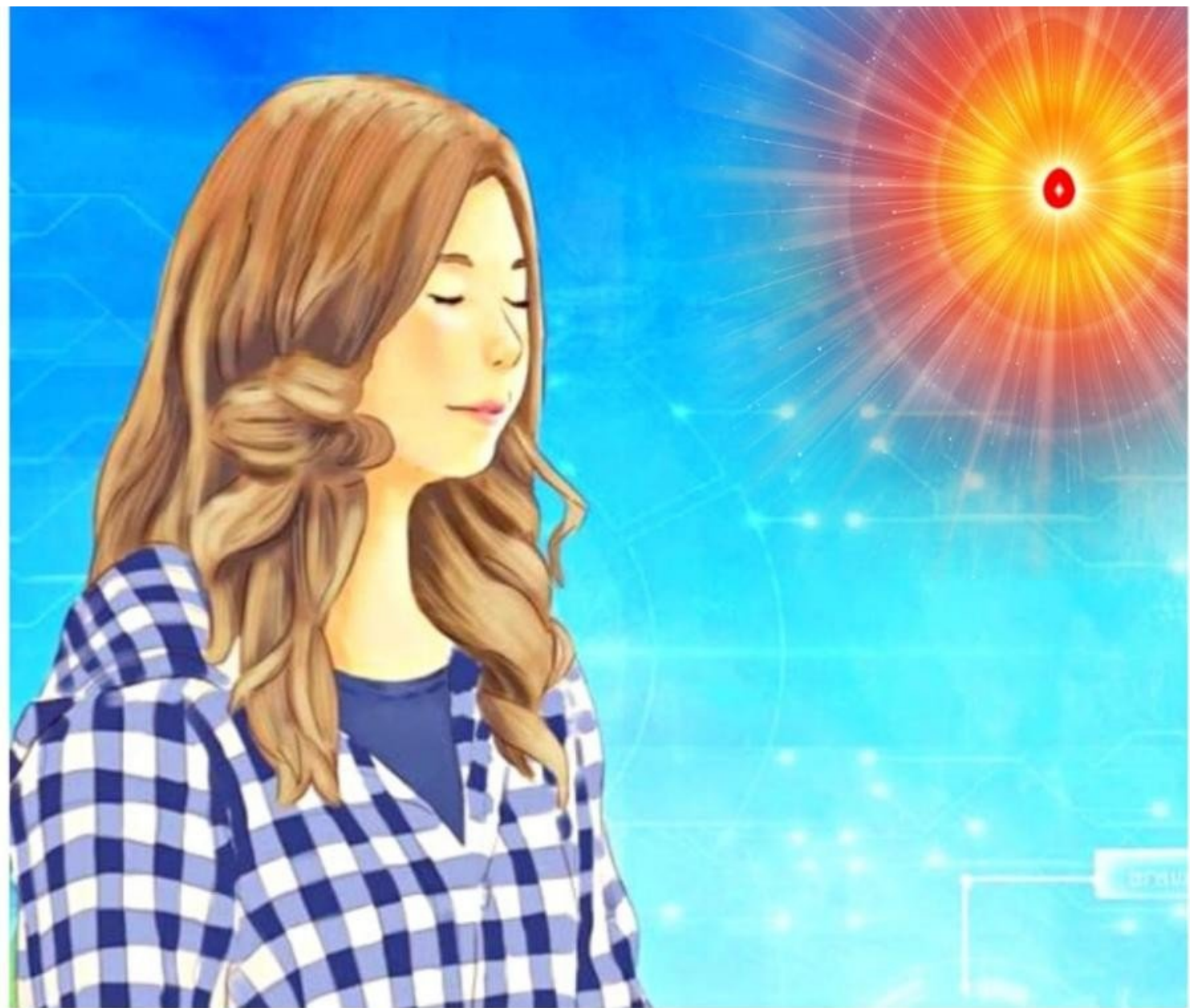


मम्मा हरेक को बहुत स्नेह देने के साथ-साथ सम्मान भी देती थी। मम्मा कहती थीं कि इस सृष्टि नाटक में हर आत्मा श्रेष्ठ है, वह अपना पार्ट बजा रही है और हम सब उस परमपिता परमात्मा की सन्तान आत्मा भाई-भाई हैं। इसलिए आपस में प्यार और रिगार्ड से व्यन्हार करना चाहिए। हर व्यक्ति के साथ दुरांदेशी बन सम्मान और स्नेह से व्यन्हार करना चाहिए।

अभ्यास - सम्बन्ध सम्पर्क में आते सदा आत्मिक दृष्टि रखें - यह आत्मा भाई, शिव बाबा की सन्तान इस सृष्टि में पार्टधारी हैं। हरेक को रिगार्ड देते चलें।







**परमात्मा का बनना अर्थात् उड़ती कला  
के वरदानी बनना। इस वरदान को  
जीवन में लाने से कभी किसी कदम में  
भी पीछे नहीं होंगे। आगे बढ़ते रहेंगे।**



**अपना सरल स्वभाव  
बना लेना - यही  
समाधान स्वरूप बनने  
की सहज विधि है।**



सासे मेरी चलती है क्योंकि  
जहन में मेरे तू बसा है,  
जो भूली मैं तुझे तो  
सासे मेरी थम जायेगी..

**मेरा**



**शिव बाबा**

जब लगे कोई साथ नहीं खडा है तो  
तो एक बार ऊपर मेरे बाबा की तरफ  
देखकर मुस्कुरा देना, वो हर पल तुम्हें  
परछाई की तरह साथ चलता नजर  
आयेगा!!!!

शुक्रिया प्यारे शिव बाबा शुक्रिया  
हर पल साथ निभाने के लिए

## Self Motivation

"लक्ष्य जितना ऊंचा होता है,

संघर्ष उतना ही अधिक करना पड़ता है और

संघर्ष जितना अधिक होता है, राहें उतनी ही सहज हो जाती है

और जीत उतनी ही निश्चित"

Om Shanti





# ‘सदा दान चलता रहे उसको कहा जाता है महादानी’

भक्ति-मार्ग में महादानी किसको कहा जाता है? जो स्वयं के प्रति नहीं बल्कि हर वस्तु, हर समय अन्य को दान-पुण्य करने में लगावे, उसको महादानी कहा जाता है। वर्ना तो दानी कहा जाता। जो अविनाशी दान करता ही रहे, सदा दान चलता रहे उसको कहा जाता है महादानी। ऐसे ही स्वयं के प्रति समय देते हुए भी सदा समझे कि मैं विश्व की सेवा पर हूँ। जब जैसे स्टेज पर बैठते हैं तो सारा समय विशेष अटेन्शन रहता है कि मैं इस समय सेवा की स्टेज पर हूँ; तो हल्कापन नहीं रहता है, सेवा का फुल अटेन्शन रहता है। ऐसे ही सदा अपने को सेवा की स्टेज पर समझो। इसी द्वारा ही परिवर्तन होगा। जो भी कुछ स्वयं में कमजोरी महसूस होती है वह सब इस सेवा के कार्य में निरन्तर रहने से सेवा के फलस्वरूप अन्य आत्माओं के दिल से आशीर्वाद की प्राप्ति या गुणगान होता है; उस प्राप्ति के आधार से खुशी और उसके आधार से और बिजी (Busy) रहने से वह कमी समाप्त हो जायेगी। तो परिवर्तन होने का साधन यही है जिसको ही एक-दूसरे में अटेन्शन (Attention) खिंचवाते प्रैक्टिकल में लाना है। तो याद की यात्रा में स्थित रहना - यह भी वर्तमान समय विश्व-कल्याणकारी की स्टेज प्रमाण सेवा में जमा हो जाता है।





असल में न तो कोई हमारा कुछ बुरा करता है  
न हमारे साथ बुरा व्यवहार करता है,  
जैसा-जैसा हमें अपने कर्मों का फल मिलने वाला होता है,  
कुदरत हमारे साथ लोगों से उसी के अनुसार व्यवहार  
करवाती है।

इसलिए हमें कभी किसी को दोष नहीं देना चाहिए,  
नियमित रूप से श्रद्धा प्रेम और भक्ति करते रहने से  
मनुष्य इन बातों से ऊपर उठ जाता है।





## **Brahma Kumaris Websites**

Main BK website [www.shivbabas.org](http://www.shivbabas.org) OR  
[www.brahmakumari.org](http://www.brahmakumari.org) (by SBS team)

Int'l website: [www.brahmakumaris.org](http://www.brahmakumaris.org)

India website: [www.brahmakumaris.com](http://www.brahmakumaris.com)

BK Sustenance website:  
[www.bksustenance.net](http://www.bksustenance.net)

All Data hosted on [www.bkdrluhar.com](http://www.bkdrluhar.com)

Murli Websites: [babamurli.net](http://babamurli.net)  
and [madhubanmurli.org](http://madhubanmurli.org)

[www.omshantimusic.net](http://www.omshantimusic.net)

[www.bkgoogle.org](http://www.bkgoogle.org)

[www.bksewa.org](http://www.bksewa.org)

[www.bkinfo.in](http://www.bkinfo.in)

[www.bk.ooo](http://www.bk.ooo)

[www.brahmakumari.org/centres](http://www.brahmakumari.org/centres)

NEW

[www.IshvariyaKhajana.BKhq.org](http://www.IshvariyaKhajana.BKhq.org)